Ch-4

29/8/2022

Page No.:
Date: / /

(ब.) चीनी अर्थव्यवस्था का उत्थान :—

⇒ विशेषताएँ :—

(i) आर्थिक सुधारों को आरम्भ करने के बाद चीन सबसे तेजी से आर्थिक वृद्धि कर रहा है।

(ii) एशिया के विकास का इंजन।

(iii) विशाल जनसंख्या, बड़ा भू-भाग, संसाधन, क्षेत्रीय अवस्थिति तथा राजनैतिक प्रभाव इस तेज आर्थिक वृद्धि के साथ मिलकर चीन के प्रभाव को कई गुना बढ़ा देते हैं।

(iv) इस रफ्तार से चलते हुए 2040 तक वह दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा।

⇒ **शुरुआती दौर** :— 1949 में माओ के नेतृत्व की क्रांति द्वारा चीन में साम्यवादी शासन की स्थापना हुई। शुरू में यहाँ साम्यवादी अर्थव्यवस्था को अपनाया गया।

(i) साम्यवादी चीन ने पूंजीवादी विश्व से रिश्ते समाप्त कर लिए।

(ii) अपने संसाधनों पर निर्भर।

(iii) सोवियत संघ से सलाह और सहायता मिली थी।

(iv) खेती से पूंजी उत्पन्न कर सरकारी नियंत्रण में बड़े उद्योग खड़े करने पर बल दिया गया।

(v) तकनीकी तथा सामान के खरीद के लिए विदेशी मुद्रा का अभाव। इसलिए चीन ने घरेलू स्तर पर सामान तैयार करना शुरू किया।

⇒ **माओ के नेतृत्व में चीन का विकास** :—

(i) सभी नागरिकों को रोजगार तथा सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ।

(ii) शिक्षा एवं स्वास्थ्य में चीन सबसे आगे निकल गया।

(iii) अर्थव्यवस्था का विकास 5-6% तक हो गया।

⇒ माओ के नेतृत्व में चीन की समस्याएं :—

(i) 2-3% वार्षिक जनसंख्या वृद्धि बाधा बनी।
(ii) खेती से उचित पैदावार नहीं हो सकी।
(iii) राज्य नियंत्रित आर्थिक संकट से गुजरना पड़ा।
(iv) विदेशी व्यापार न के बराबर था।
(v) प्रति व्यक्ति आय बहुत कम थी।

⇒ चीन सुधारों की पहल :—

(i) चीनी नेतृत्व ने 1970 के दशक में कुछ बड़े नीतिगत निर्णय।
(ii) चीन ने 1972 में अमरिका से संबंध बनाकर अपने राजनैतिक और आर्थिक एकांतवास को खत्म किया।
(iii) 1973 में प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने कृषि, उद्योग, सेवा और विज्ञान - प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आधुनिकीकरण के चार प्रस्ताव रखे।
(iv) 1978 में तत्कालीन नेता 'देंग श्याओपेंग' ने चीन ने आर्थिक सुधारों और खुलेद्वार की नीति की घोषणा की। और विदेशी पूंजी तथा प्रौद्योगिकी के जरिये उच्चतर उत्पादकता को प्राप्त किया जाए।

⇒ चरणबद्ध तरीके से चाइना की अर्थव्यवस्था में बदलाव :—

(i) 1982 में खेती का निजीकरण।
(ii) 1998 में उद्योगों का निजीकरण।
(iii) विशेष आर्थिक क्षेत्रों में व्यापारी अवरोधों को हटाया गया।

⇒ नयी अर्थव्यवस्था से बदलाव :—

(i) कृषि उत्पादों और ग्रामीण आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी।
(ii) निजी बचत बढ़ी।
(iii) उद्योग और कृषि दोनों में वृद्धि दर बढ़ी।

(iv) SEZ (स्पेशल इकॉनामिक ज़ोन) से विदेश व्यापार में वृद्धि।
(v) चीन निवेश की दृष्टि से पूरी दुनिया के लिए आकर्षक।
(vi) विदेशी मुद्रा का विशाल भण्डार।
(vii) 2001 में विश्व व्यापार संगठन में शामिल।
(viii) दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था खोलने की दिशा में कदम।

⇒ चीन की सुधारों का नकारात्मक पहलू :—

(i) वहाँ आर्थिक विकास का लाभ समाज के सभी सदस्यों को नहीं मिला।
(ii) पूँजीवादी तरीकों को अपनाए जाने से बेरोजगारी बढ़ी।
(iii) वहाँ महिलाओं के रोजगार और काम करने के हालात संतोषजनक नहीं है।
(iv) गाँव व शहर के और तटीय व मुख्य भूमि पर रहने वाले लोगों के बीच आय में अंतर बढ़ा है।
(v) विकास की गतिविधियों ने पर्यावरण को काफी हानि पहुँचाई।
(vi) चीन में प्रशासनिक और सामाजिक जीवन में भ्रष्टाचार बढ़ा।

⇒ चीन के साथ अन्य देशों के सम्बन्ध :—

(i) चीन के जबरदस्त प्रभाव के कारण जापान, अमरीका आसियान और रूस सभी व्यापार के आगे चीन से बाकी विवादों को भुला चुके है।
(ii) उम्मीद है कि चीन और ताइवान का विवाद भी खत्म होगा।
(iii) आर्थिक क्षेत्र में आसियान देशों की मदद की 1997 में।
(iv) अमरीका और अफ्रीका में निवेश और मदद की नीतियाँ।

★ Note :- माओ का पूरा नाम - 'माओ से तुंग' है। यह साम्यवादी दल के नेता थे। इनके सिद्धान्तों को 'माओवाद' कहा जाता था।